Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 9 , गुरुवार, 01 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

बुनियादी ढांचा सुधारने के लिए समय-सीमा बताएं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी को एक समय-सीमा बताने का निर्देश दिया जिसके अंदर राजधानी के 21 किशोर गृहों के आधारभूत ढांचों से जुडे मुद्दों का हल हो सके। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति गीता मित्तल और न्यायमूर्ति सी हरिशंकर की पीठ ने अधिकारियों और अदालत की सहायता के लिए नियुक्त दो न्याय मित्रों को उन किशोर गृहों का निरीक्षण करने को कहा। वे लोग उन किशोर गृहों में कमियों तथा उनके समाधान के बारे में एक रिपोर्ट सौंपेंगे। वकील सत्यकाम ने अदालत को आश्वासन दिया कि उसके पूर्व के आदेश का पालन किया जाएगा और इस संबंध में एक रिपोर्ट 10 दिनों के अंदर दाखिल की जाएगी।

कोर्ट ने केंद्र, आप सरकार पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पिछले साल दिल्ली विधानसभा के दो दिवसीय सत्र को अवैध तरीके से आयोजित करने का आरोप लगाने वाली याचिका पर जवाब नहीं देने के लिए आज केंद्र और दिल्ली सरकार पर पांच-पांच हजार रपए का जुर्माना लगाया।न्यायमूर्ति राजीव शकधर ने कहा कि कई मौकों के बावजूद केंद्र और राज्य सरकार, उपराज्यपाल और दिल्ली विधानसभा के सचिव ने याचिका पर अपने जवाब दाखिल नहीं किए हैं। न्यायाधीश ने उन्हें अपना जवाब देने के लिए अंतिम अवसर दिया। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार के स्थाई वकील रमेश सिंह और गृह मंत्रालय के वकील ने जवाब देने के लिए एक और मौका दिए जाने की मांग की थी।

आरोपी बाबा के आश्रम पर चला निगम का बुलडोजर

नई दिल्ली। राजधानी के उत्तरी एवं दक्षिणी दिल्ली में मंगलवार को भी जबरदस्त सीलिंग अभियान चला। नगर निगम के दस्ते ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम के रोहिणी जोन के विजय विहार स्थित आरोपी बाबा बीरेंद्र देव दीक्षित का आश्रम भी ढहा दिया। दोनों निगम क्षेत्र में कुल 59 संपत्तियों को सील किया गया। इसमें बड़ी संख्या में ढाबा, गोदाम, कोचिंग सेंटर एवं दुकानें शामिल हैं। सीलिंग अभियान के तहत सिविल लाइंस जोन में एक अनधिकृत निर्माण को भी ढहाया गया। इस बिल्डिंग को तोड़ने के लिए दस्ते को गैस कटर का इस्तेमाल करना पड़ा। यहां बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाया गया था। पूर्वी दिल्ली के कांति नगर एवं गांधी नगर में कुल 12 फैक्टरियों को सील किया गया है। भारी पुलिस बल के साथ निगम का दस्ता दोपहर में रोहिणी जोन के विजय विहार पहुंचा और बाबा के आश्रम को नेस्तनाबूत कर दिया। इस आश्रम में बड़े-बड़े अहाते थे, जिन्हें ढहा दिया गया। इसके साथ ही रोहिणी जोन में कुल 8 संपत्तियों को सील किया गया है। सिटी जोन में 7, करोलबाग जोन में 14, केशवपुरम में 8 एवं सिविल लाइंस जोन में 8 संपत्तियों को सील किया गया है। आरोप है कि कुछ लोग बेसमेंट में भी दुकान चला रहे थे। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के राजौरी गार्डन, पंजाबी बाग एवं हरीनगर में कुल 14 संपत्तियों को सील किया गया। इसमें 7 संपत्तियां राजौरी गार्डन की शामिल हैं। इसमें सोनी टेक, किचन शोरूम एवं कई कोचिंग सेंटर भी शामिल हैं। आरोप है बड़ी संख्या में लोगों ने घरों में दुकानें खोल रखी हैं और उनका व्यावसायिक इस्तेमाल कर रहे हैं। पंजाबी बाग में 5 सपत्तियों को सील किया गया है। इसमें कई बड़े-बड़े ढाबे शामिल हैं। इसके अलावा हरि नगर में दो संपत्तियों को सील किया गया है। एल ब्लॉक में आवासीय परिसर में कॉल सेंटर एवं ऑफिस चल रहा था।

कैट ने किया 48 घंटे दिल्ली बंद का आह्वान

नई दिल्ली। दिल्ली में चल रही सीलिंग के विरोध में कनफेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने 2 -3 फरवरी को 48 घंटे का दिल्ली व्यापार बंद का आह्वान किया है। संगठन का दावा है कि उसके बंद के आह्वान को व्यापक समर्थन मिल रहा है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि इस 48 घंटे के व्यापार बंद में दिल्ली के 2000 से अधिक बाजारों के सात लाख से अधिक व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल होकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे।

निगमायुक्त से आज पूछताछ करेगी कमेटी

नई दिल्ली। तीनों निगम आयुक्त बुधवार को विधान सभा की कमेटी के समक्ष पेश होंगे। आप विधायक सौरभ भारद्वाज ने ट्वीट कर कहा कि इस बैठक में दिल्ली सरकार के अधिकारी भी आएंगे। 351 सड़कों का पर्दाफाश किया जाएगा।

बरोजगारों को बढ़ेगी मुश्किलः

चार लाख से ज्यादा खाली पदों को खत्म कर सकती है सरकार

नई दिल्ली। डीएसएसएसबी को लेकर सरकार का मानना यह सरकार की अपेक्षाओं पर फेल हो चुकी है लेकिन हाल ही में इसमें सुधार नजर आया है। जिसे देखते हुए वह उम्मीद करते हैं कि इस सरकार के कार्यकाल में नियुक्तियां शुरू हो जाएंगी। इसके साथ ही उनका कहना है कि उन्होंने अफसरों को इस बात के भी निर्देश दिए हैं कि कर्मचारी चाहे स्थाई हो या ठेके पर सभी को भत्तों समेत एक समान वेतन ही मिलना चाहिए। दिल्ली के युवाओं के लिए एक अच्छी खबर है। दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) आने वाले दो वर्षो में युवाओं को नौकरियां देने के अवसर प्रदान करेगी। इसकी शुरुआत पहले चरण में दिल्ली सरकार के अस्पतालों में रिक्त पदों को भरने, डॉक्टरों की कमी दूर करने की मद में किया जाएगा। इसके बाद अन्य विभागों में रिक्त पड़े पदों को भरने की योजना है। स्वास्य सचिव की देखरेख में यह योजना तैयार कर ली गई है। नियुक्तियां संबंधी प्रस्तावित फाईल को उपराज्यपाल ने भी अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। एक अधिकारी ने कहा कि अनुमान है कि जीबी पंत, इहबास, जीटीबी, डीडीयू, लोकनायक समेत अन्य दिल्ली सरकार के 39 अस्पतालों में करीब 6 हजार से अधिक पैरामेडिकल, डाक्टरों और नान पैरामेडिकल स्टाफ के पद रिक्त हैं। यह पद बीते कई सालों से भरे ही नहीं गए।

यह भी है योजना : समाज कल्याण मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने राष्ट्रीय सहारा से कहा कि दिल्ली सरकार ने समान काम, समान वेतन के लिए सभी संबधित विभागों को निर्देश दिया गया है। वह ठेके दारी प्रथा, अनुबंध आदि परम्पराओं को खत्म करने के पक्ष में है। इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। गौतम ने कहा कि अनुबंध या फिर ठेका का मतलब ही अन्याय है। इसलिए वह सभी ठेके के पदों पर स्थाई नियुक्ति के पक्षधर हैं। इसके लिए उनकी सरकार ने उप राज्यपाल, मुख्य सचिव और सर्विस डिपार्टमेंट के प्रधान सचिव को पत्र लिख दिया है। अभी दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों में कुल 38 हजार पद ऐसे हैं जिनपर ठेके के द्वारा कर्मचारी रखे गए हैं। ठेके पर रखे गए इन कर्मियों के साथ अन्याय हो रहा है। लेकिन यह पुरानी सरकार के पाप हैं जिन्हें वह भुगत रहे हैं।

यूपीः कोचिंग सेंटर में छात्रा से छेड़छाड़ और मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

इटावा औरैया। एक कोचिंग सेंटर में मंगलवार को छात्रा के साथ छेड़छाड़ का विरोध करने पर मारपीट करने वाले युवक को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ पीड़िता की मां ने थाने में मामला दर्ज कराया था। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक कोचिंग सेंटर में बीए की छात्रा के साथ घटिया अजमत अली के रहने वाले धीरज राठौर ने अपने साथी के साथ छेड़छाड़ की थी। छात्रा ने जब छेड़छाड़ का विरोध किया तो आरोपी युवक ने उसके साथ मारपीट की थी।

संत रविदास की जन्मस्थली तीर्थ के रूप में होगी विकसित : योगी

वाराणसी। संत रविदास कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे। वह ऐसे महान साधक थे जिनकी दक्षिणा स्वीकार करने के लिए गंगा स्वयं प्रकट होती थीं। ऐसे महान संत की जन्मस्थली का समग्र तीर्थ के रूप में विकास होना ही चाहिए। यह काम भाजपा की सरकार करके रहेगी। यह कहना है सीएम योगी आदित्यनाथ का। वह बुधवार को संत रविदास की जन्मस्थली सीरगोवर्धनपुर में आयोजित सत्संग समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा संत रविदास के दर्शन पूजन करने के बाद मैंने पहला काम यही किया। मैं भाजपा सरकार में बनारस से मंत्री नीलकंठ तिवारी, क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र सिंह और भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य सहित जिले के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जन्मस्थली के तीर्थ के रूप में समग्र विकास की कार्ययोजना जल्द से जल्द बनाकर मेरे पास भेजें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां आकर मैने एक पंथ दो काज की उक्ति का जीया है। यहां आने से जहां संतरविदास के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ वहीं दूसरी ओर अन्य संतों से मित्रता प्रगाढ़ करने का शुभअवसर मिला। मैं प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से यहां आया हूं।

इसी श्रद्धा के बल पर टिका है भारत

मुख्यमंत्री ने कहा काशी का अपना महात्म्य है। मान्यता यह है कि काशी भगवान शिव के त्रिशूल पर टिकी है। दुनिया की सबसे पुरानी जीवंत नगरी में संत रविदास जैसे महापुरुष का जन्म लेना भी अलौकिक घटनाक्रम का अंश है। इस नगरी की पवित्रता संतों से ही है। सुख-सुविधाओं की चिंता किए बिना महिलाएं-पुरुष और बच्चे यहां जुटे हैं। आस्थावानों की इसी श्रद्धा के कारण ही भारत मजबूती के साथ दुनिया के सामने खड़ा है।

धर्म जाति के नाम पर भेद का अधिकार नहीं

यह देश भिन्न-भिन्न बोली-भाषा-संस्कारों और उपासना विधि के मानने वाले लोगों का देश है। यहां सभी को धार्मिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता है। जाति और धर्म के नामपर किसी से भेदभाव करने का अधिकार किसी को नहीं है। संत रविदास सिद्धपुरुष थे। उनके लिए कुछ भी असंभव नहीं था लेकिन सामान्य साधक के लिए जप,तप, योग और पूजा ही अपने ईष्ट तक पहुंचने का माध्यम है। इन माध्यमों को बाधित करने का अधिकार किसी को नहीं है।

जहां अनुशासन है वहीं धर्म भी है

रविदासिया धर्म के सेवादारों से लेकर आम भक्तों तक का अनुशासन देखकर मुख्यमंत्री उनकी तारीफ किए बिना नहीं रह सके।

संतों का मार्गदर्शन दे रहा नई दिशा

सीएम ने कहा कि यहां आकर संतों से मिला संदेश एवं मार्गदर्शन मुझे नई दिशा दे रहा है।

सुनाई कहावत के पीछे की कहानी

'मन चंगा तो कठौती में गंगा' की कहावत के पीछे की कहानी भी योगी आदित्यनाथ ने मंच से सुनाई। उन्होंने बताया कि संत रविदास अपने एक साथ संत के साथ नित्य गंगा स्नान को जाते थे। एक दिन कार्य की अधिकता के कारण वह गंगा स्नान करने नहीं गए। उन्होंने अपने साथी संत को एक आना गंगा को दक्षिणा चढ़ाने के लिए दिया। उनके साथी संत ने गंगा तट पर पहुंच कर स्नान आदि किया। पूजा पाठ करने के बाद पहले उसने अपने हिस्से की दक्षिणा गंगा में अर्पित की। उनका पैसा गंगाजल में डूब गया।

यूपी : श्रावस्ती में कच्ची दीवार ढही, दो बच्चों की मौत, आठ की हालत गंभीर

लखनऊ (एजेंसी)। धार्मिक समारोह में भाग ले रहे बच्चों पर एक पुरानी कच्ची दीवार गिर गई। इस हादसे में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। गिलौला थाने के पुरखीपुर डिहवा निवासी बरसाती के घर अखंड रामचरित मानस पाठ का आयोजन किया गया था। जिसका समापन बुधवार को था। दोपहर के बाद आरती हो रही थी। जिसमें काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। उसी के बगल में सनेही का भुसैला बना है। जिसकी दीवारें कच्ची मिट्टी की थीं। आरती के समय कुछ बच्चे दीवार पर चढ़े थे। तभी अचानक दीवार भरभराकर गिर गई।

मलबे के नीचे करीब एक दर्जन बच्चे दब गये। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत से मलबा हटाकर बच्चों को बाहर निकाला। तब तक साहबदीन की 10 वर्षीय पुत्री पूजा और भूरे के सात वर्षीय लड़के बाबू की मौत हो चुकी थी। वहीं विपिन पुत्र अमन उम्र तीन वर्ष, निबरी पुत्री मंशाराम उम्र पांच, पार्वती देवी पुत्री अमन आठ वर्ष, शुक्ला देवी पुत्री तिलकराम उम्र आठ, सूरज पुत्र मेवालाल उम्र चार, रोहित पुत्र बाबादीन उम्र छह, अमित पुत्र राम नरेश उम्र सात तथा विष्णु पुत्र राम नरेश उम्र चार वर्ष घायल हो गए। घायल बच्चों को सीएचसी गिलौला पहुंचाया गया। जिसमें विष्णु को छोड़ कर बाकी बच्चों को जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। सूचना पाकर जिलाधिकारी दीपक मीणा और एसपी विजय ढुल भी मौके पर पहुंचे। डीएम ने बच्चों के बेहतर इलाज का निर्देश दिया है।

बच्ची का नहीं, महिला आयोग से हुआ दुष्कर्म

दुष्कर्म पीड़िता बच्ची की सर्जरी, हालत खतरे से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने आठ माह की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह बच्ची का नहीं बल्कि महिला आयोग के साथ दुष्कर्म हुआ है।

उन्होंने बच्ची की खातिर 50 हजार रपए मुआवजे की भी घोषणा की। श्रीमती मालीवाल ने उत्तर पश्चिमी दिल्ली के सुभाष पैलेस के शकूर बस्ती इलाके में आठ माह की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी पर ट्वीट कर कहा'''क्या करुं? महिला आयोग की अध्यक्ष कटोरा लिए खड़ी है। छह महीने में बलात्कारियों को फांसी दो, पुलिस के संसाधन जवाबदेही बढाओ, केंद्र महिला सुरक्षा पर उच्च समिति बनाये। दो साल में खूब पा लिखे, अदालत गयी, सत्याग्रह किया - पर कुछ न बदला। आठ महीने की बच्ची का दुष्कर्म नहीं महिला आयोग का दुष्कर्म

चार चिकित्सकों सहित 12 लोगों की टीम ने बच्ची को बचाने में नहीं छोड़ी कोई कसर आईसीयू वार्ड की सुरक्षा बढ़ी

हुआ है। दुष्कर्म के बाद सोमवार को गंभीर हालत में लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज स्थित कलावती अस्पताल में भर्ती कराई गई बच्ची की जान चार डॉक्टरों सहित 12 लोगों की टीम ने तीन घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद बचा ली।

ऑपरेशन के बाद उसे आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। मंगलवार दोपहर बच्ची को होश आ गया है। उधर पीड़िता और उसके परिजनों की सुरक्षा के लिए अस्पताल में सुरक्षा सख्त कर दी गई है। वार्ड से लेकर आसपास के दरवाजों तक पर सुरक्षा गार्ड तैनात हैं। सघन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में बच्ची की मां के अलावा एक महिला पुलिसकर्मी को तैनात किया गया है।

बच्ची की हालत स्थिर : चिकित्सकों के मुताबिक फिलहाल बच्ची खतरे से बाहर है, लेकिन पूरे उपचार और ऑब्जरेशन के लिए उसे अभी कुझ दिन आईसीयू में रखा जाएगा। मंगलवार देर शाम तक बच्ची की हालत स्थिर बताई गई है। बताया जा रहा है कि चार डॉक्टरों सहित लगभग 12 लोगों की टीम ने बच्ची को बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी और तीन घंटे के ऑप्रेशन के बाद बच्ची को मौत मुंह से खींच लाई।

मां को देख बच्ची मुस्कुराई : मंगलवार को ऑक्सीजन के सपोर्ट पर आईसीयू में लेटी आठ महीने की बच्ची ने दोपहर बाद दो बजे आंख खोली। होश में आने पर मां को सामने देख बच्ची मुस्कुराई और उसका चेहरा खिल गया। उपचार के दौरान बच्ची थोड़ी-थोड़ी देर सो जाती है। संभवत: उपचार के लिए वह कुछ दिन और अस्पताल में रहेगी।

छात्रों ने महात्मा गांधी की 70वीं पुण्य तिथि पर उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया

जामिया में छात्रों ने याद किया बापू को

नई दिल्ली (एजेंसी)। जामिया मिलिया इस्लामिया के विद्यार्थियों ने मंगलवार को महात्मा गांधी की 70वीं पुण्य तिथि पर एक कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें याद किया व उनके जीवन व उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया।

जामिया रिसर्च स्कॉलर मीरान हैदर ने कहा कि आज देश जिस नफरत व सामाजिक बंटवारे से गुजर रहा है उसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि हम भारतीय गांधी के बताए हुए सत्य अहिंसा व हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे के पाठ को भूल चुके हैं। जामिया रिसर्च स्कॉलर इमरान चौधरी ने कहा कि आज देश मे जगह-जगह जिस तरह से दंगा फसाद हो रहा है उससे समाज टूट चुका है। अगर आज बापू जिंदा होते तो उनकी आत्मा इस बंटे हुए समाज को देख नहीं पाती।

इमरान चौधरी ने कहा कि हम सबसे अपील करते है कि सब मिल जुल कर बेहतर देश बनाने में अपना योगदान दें। इनके अलावा छात्र मुकुंद झा , शमसेर खान, शाहे आलम, सफूरा जरगर, मोहम्मद आसिफ जैश, अरशद मिसाल व कई छात्रों ने अपनी बात रखी। उधर,राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथि के मौके पर जनक पुरी स्थित भारती कॉलेज के प्रांगण में एक स्मृति सभा का आयोजन संरक्षण एनजीओ की ओर से किया गया। इस मौके पर छात्राओं ने बापू के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उन्हें भाव भीनी श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली को सीलिंग से राहत का रास्ता तलाश रहा केन्द्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में सीलिंग को लेकर लगातार बढ़ रहे व्यापारियों के आंदोलन से केन्द्रीय आवास व शहरी कार्य मंत्रालय दबाव में है। व्यापारियों को सीलिंग से राहत देने के लिए मंत्रालय रास्ता तलाश रहा है। मंत्रालय के अधिकारी इस समस्या के समाधान के लिए मशक्कत कर रहे हैं। संसद में बिल लाकर व्यापारियों को राहत दी जा सकती है। सीलिंग से राहत को लेकर शहरी विकास मंत्रालय के सामने कन्वर्जन चार्ज को माफ करने या कम करने तथा एफएआर को बढ़ाने का बड़ा मुद्दा है, क्योंकि जिन 2700 सड़कों को शीला दीक्षित सरकार ने व्यावसायिक व मिक्स सड़कें अधिसूचित किया था, उन सड़कों के अधिकतर व्यापारियों ने न तो कन्वर्जन चार्ज दिया और न ही नियमानुसार एक मुश्त पार्किंग शुल्क जमा कराया।

सरकार द्वारा निर्धारित 180 एफएआर का भी अधिकतर व्यापारियों ने उल्लंघन कर ज्यादा निर्माण किया हुआ है। यही दोनों बिन्दु सीलिंग के प्रमुख कारण हैं और आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के अधिकारी इन्हीं पर राहत को लेकर विचार विमर्श में लगे हैं। जहां तक अन्य 351 सड़कों का सवाल है तो उन्हें दिल्ली सरकार द्वारा ही अधिसूचित किया जाना है। शहरी कार्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, सीलिंग को लेकर तात्कालिक राहत देने के अलावा स्थाई राहत देने की भी योजना पर काम हो रहा है।

भूमि अधिग्रहण कानून को निष्प्रभावी करने का सरकार पर लगाया आरोप

किसानों की आय को लेकर आयोग बने : किसान संगठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वराज इंडिया, जय किसान आन्दोलन और रेथु स्वराज वेदिका ने मोदी सरकार पर अब तक की सबसे बड़ी किसान विरोधी सरकार होने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसे किसानों से किए गए वादे पूरे करने चाहिए तथा उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से एक स्थायी आयोग गठित करना चाहिए।

स्वराज इंडिया के अध्यक्ष योगेन्द्र यादव, जय किसान आन्दोलन के संयोजक अविक साहा तथा वेदिका के प्रमुख किरण विस्सा ने मंगलवार को संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव सभाओं में अनेक अवसरों पर किसानों की फसल लागत का डेढ़ गुना मूल्य देने का वादा किया था।

बाद में सरकार ने किसानों से जुड़े एक मामले में उच्चतम न्यायलय में शपथ पत्र दाखिल कर कहा कि ऐसा संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय का आकलन करने के लिए सरकार को एक स्थायी आयोग का गठन करना चाहिए जो समय-समय पर उनके हित में अपनी सिफारिश दे।

किसान संगठनों ने कृषि को लेकर सरकार के पिछले चार बजट में किए गए प्रावधानों पर ''ग्रीन पेपर' जारी किया

तीनों नेताओं ने कृषि को लेकर सरकार के पिछले चार बजट में किए गए प्रावधानों पर ''ग्रीन पेपर' जारी किया और कहा कि कृषि और किसान गंभीर संकट के दौर से गुजर रहे हैं। इस संकट पर लेखाजोखा जारी किया गया है ताकि सरकार इस संबंध में उचित ध्यान दे और पर्याप्त आवंटन करे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सत्ता में आने के बाद चालाकी से फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वार्षिक वृद्धि दर को पहले की तुलना में कम कर दिया। इसके साथ ही राज्यों पर दबाव बना कर एमएसपी पर बोनस समाप्त करा दिया। किसान नेताओं ने कहा कि भूमि अधिग्रहण कानून को निष्प्रभावी कर दिया गया है तथा आदिवासी किसानों को दिए गए कानूनी संरक्षण को भी समाप्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अर्थिक सव्रेक्षण में सरकार ने स्वीकार किया है कि पिछले चार साल से किसानों की आय नहीं बढ़ी है और जलवायु परिवर्तन के कारण उनकी आय में 25 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों के सभी तरह के कर्ज माफ कर दिए जाने चाहिए तथा 23 फसलों की बजाय दूध एवं अंडा समेत सभी फसलों का एमएसपी निर्धारित किया जाना चाहिए।

किसानों को फसलों का उचित मूल्य मिले इसके लिए बाजार हस्तक्षेप योजना का बजट दस हजार करोड़ का होना चाहिए।

जो स्वाभवतः सुंदर हैं, उनकी विकृति भी शोभादायक होती है -भारवि

सत्र की शुरुआत

सत्र की शुरुआत के पहले दिन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने संसद के दोनों सदनों को संबोधित करते हुए सरकार की जिन उपलब्धियों और भावी योजनाओं का उल्लेख किया उसके आधार पर कहा जा सकता है कि उनका अभिभाषण लोक सभा के आगामी चुनाव का ब्लूप्रिंट है। भारत के संसदीय लोकतंत्र में संवैधानिक तौर पर राष्ट्रपति को जो शक्तियां प्राप्त हैं, उनके आधार पर माना जाता है कि वह संसद में जिन कायरे और नीतियों का उल्लेख करते हैं, वे वास्तव में सरकार की ही नीतियां होती हैं। राष्ट्रपति ने संबोधन में सामाजिक-आर्थिक लोकतंत्र, समाज के कमजोर व अल्पसंख्यक वगरे के लिए सरकारी योजनाओं, मुस्लिम महिलाओं को सम्मान दिलाने के लिए तीन तलाक के संबंध में संसद में प्रस्तुत विधेयक, नये भारत का निर्माण और लोक सभा तथा व विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथकराने पर जोर दिया। संसद के पिछले सत्र में तीन तलाक से संबंधित विधेयक लोक सभा से पारित हो चुका है, और राज्य सभा में लंबित है। राष्ट्रपति ने राज्य सभा से भी इस विधेयक के पारित होने की संभावना जताई। कोईशक नहीं कि सरकार का यह एक प्रगतिशील कदम है, और देर सबेर राज्य सभा भी इसे पारित कर देगी। राष्ट्रपति ने लोक सभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथकराने पर जोर दिया। सच है कि अलग-अलग चुनाव होने से संसाधनों पर बोझ पड़ता है, विकास प्रक्रिया भी बाधित होती है। प्रधानमंत्री मोदी भी समय-समय पर यह मुद्दा उठाते रहे हैं, और इसे एक महत्त्वपूर्ण चुनाव सुधार के रूप में देखते हैं। हालांकि, मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस इस मसले को दूसरे नजरिए से देखती है। पिछले दिनों चुनाव आयोग ने हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधान सभा चुनाव को एक साथनहीं होने दिया तब कांग्रेस ने सवाल खड़े किए थे। फिर भी दोनों चुनाव साथ-साथ कराने संबंधी प्रस्ताव सराहनीय है, हालांकि इसके क्रियान्वयन में कुछ तकनीकी बाधाएं आ सकती हैं। मसलन, विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल अलग-अलग है। कहना मुश्किल है कि सरकार का यह प्रस्ताव जमीन पर कब उतर पाएगा। अभिभाषण में साफतौर पर स्पष्ट किया गया कि उनकी सरकार तुष्टीकरण नहीं सशक्तीकरण में भरोसा रखती है। मोदी सरकार के हज सब्सिडी खत्म करने संबंधी निर्णय को इस आलोक में देखा जा सकता है। सरकार ने इस सब्सिडी की रकम मुस्लिम महिलाओं की शिक्षा पर खर्च करने का निर्णय किया है। इससे जाहिर है कि मोदी सरकार का नजरिया सामाजिक और आर्थिक लोकतंत्र के एजेंडे पर यूपीए की सरकार से भिन्न है।

''डिग्री वेरीफिकेशन डेस्क'

दिल्ली में फर्जी डिग्री रैकेट का खुलासा वाकई हैरान-परेशान करने वाली खबर है। हरिनगर इलाके में बिल्कुल व्यवस्थित तरीके से देश भर में इस गैंग का काम चल रहा था और पुलिस-प्रशासन अनभिज्ञ बनी रही। गैंग इस कदर अतिआत्मविास में था कि बकायदा देश भर के अखबारों में डिग्री मुहैया कराने का विज्ञापन देती थी और यह गोरखधंधा पिछले तीन साल से बेरोकटोक जारी था। ऐसा नहीं है कि फर्जी डिग्री बेचने का यह खेल नया है। इससे पहले भी इस तरह की कई साजिशें बे-पर्दा हो चुकी हैं। दिल्ली सरकार के ही एक मंत्री को फर्जी डिग्री के मामले में गिरफ्तार तक किया जा चुका है। लेकिन लचर कानून-व्यवस्था के चलते ये चालबाज और शातिर किस्म के लोग फिर से फरेब के जाल में लोगों को फांसने के लिए आ जाते हैं। इस बार गिरफ्तार किया गया पवित्तर सिंह 2014 में पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है। लेकिन जेल से बाहर आकर उसने एक बार फिर इसी धंधे में हाथ आजमाया। चूंकि फर्जी डिग्री के मामले में कानून के मुताबिक 10 साल की सजा का प्रावधान है, लेकिन आमतौर पर अदालत ट्रायल के दौरान आरोपित को जमानत दे देती है।

इस नियम में बदलाव जरूरी है। दूसरी महत्त्वपूर्ण बात यह कि डिग्री प्रोवाइड करने वाली जो भी एजेंसी, संस्थान या अनुशासनात्मक बोर्ड है; वहां नियमित और आवश्यक रूप से एक ''डिग्री वेरीफिकेशन डेस्क' का गठन होना चाहिए। होना तो यह भी चाहिए कि जो भी संस्थान बिना दस्तावेजों की गहनता से पड़ताल न करके अपने यहां किसी को नौकरी पर रखेगी, उनके खिलाफ भी धारा 420 के तहत मामले दर्ज होने चाहिए। साथ ही प्रशासन को इन फर्जी डिग्री की मदद से अहम जगहों पर नौकरी कर रहे लोगों की तलाश कर उन्हें सामने लाना होगा। हालांकि यह बेहद दुष्कर कार्य है मगर इस गैंग के 30 से ज्यादा बैंक खातों की जांच में डिग्री खरीदने वालों की पहचान की जा सकती है। यह चौंकाने वाली वारदात हर किसी के लिए सबक है। खासकर उन लोगों के लिए जो जिंदगी में कुछ भी पाने के लिए शार्टकट अपनाते हैं। चुनांचे; सही-गलत की समझ और सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता-जनार्दन की ही है।

सत्संग

निराशा

खुद को जितना अकेला समझेंगे, खुद को जितना निराश महसूस करेंगे, उतना ही आपको लोगों के साथ की जरूरत महसूस होगी। लेकिन आप जितना खुश होंगे, आप भीतर से जितना उल्लसित और उत्साहित महसूस करेंगे, आपको लोगों के साथ की जरूरत उतनी ही कम महसूस होगी। इसलिए जब आप खुद के साथ और तब आप अकेलापन महसूस करते हैं तो इसका सीधा सा मतलब है कि आप एक खराब संगत में हैं। अगर आप एक अच्छे इंसान की संगत में हैं तो आप अकेलापन कैसे महसूस कर सकते हैं? तब तो आपको बहुत अच्छा और विशिष्ट महसूस करना चाहिए। आपके उल्लास को पैदा नहीं किया सकता। अगर यह ओढ़ा हुआ या कृत्रिम रूप से बनाया हुआ उल्लास है तो बेशक आपको लोगों के साथ की जरूरत महसूस हो सकती है। अक्सर लोग उल्लास या आनंद का मतलब समझते हैं संगीत सुनना, नाचना और झूमना। आनंद के लिए ये सब करना बिल्कुल जरूरी नहीं है। आप चुपचाप एक जगह शांति से बैठकर भी पूरी तरह से आनंद और उल्लास को अपने भीतर महसूस कर सकते हैं। इस एक अंतर को समझना होगा कि अगर आप अपने स्वभाव से ही आनंदित रहने वाले इंसान हैं, या आपका जीवन आनंदमय हो गया है तो आपका काम बस उसका एक परिणाम भर होता है। लेकिन कई बार आपका जीवन उल्लासपूर्ण नहीं होता, बल्कि आप कुछ गतिविधियों की मदद से इसे उल्लासपूर्ण बनाने की कोशिश कर रहे होते हैं। इन दोनों स्थितियों में एक बड़ा फर्क है। एक में आप नृत्य करके आनंद की स्थिति में पहुंचते हैं, जबकि दूसरी में आप आनंद से भरे होते हैं और उस आनंद को संभाल न पाने के कारण आप नाचने लगते हैं। ये दोनों चीजें अलग-अलग हैं। या तो आपके भीतर की खुशी से आपकी हंसी फूट पड़ती है या फिर किसी ने आपसे कहा होता है कि अगर हर सुबह उठकर आप हंसेंगे तो एक दिन आपको खुशी मिल जाएगी। ये दो अलग-अलग तरीके हैं। अब आप अपने चारों तरफ नजर दौड़ाइए और देखिए कि जीवन कैसे चलता है? क्या ऐसा होता है कि फूलों को जब खिलना होता है, तो उन्हें सहारा देने के लिए पौधे और उसकी जड़ें उगती हैं? अगर आपने दूसरे तरह से जीने की कोशिश की तो जीवन बड़ा मुश्किल हो जाएगा।

आर्थिक सर्वेक्षण

आर्थिक सर्वेक्षण ने पहली बार बेटा-बेटी से जुड़ी सामाजिक धारणाओं को अपने अंदाज से विश्लेषित किया है। इसका स्वागत किया जाना चाहिए। अधिकांश भारतीय पाखंडी हैं, कहने-करने में बहुत फर्क होता है। नारी समानता के नारे लगाते पढ़े-लिखे पत्रकार और प्रोफेसरों की संतानों का क्रम यह हो सकता है-दो बेटियां और सबसे छोटा बेटा। कई जगह तीन बेटियां मिल सकती हैं। बेटा चाहिए, बेटा जब तक ना मिलेगा, तब तक बेटियों की संख्या बढ़ाते जाएंगे-यह ऐसा नारा है, जो आम भारतीय लगाता नहीं है, इस पर अमल करता है। इस बात को इस आर्थिक सर्वेक्षण में बहुत व्यवस्थित तरीके से रखा गया है। आर्थिक सर्वेक्षण के खंड एक चैप्टर सात पूरा का पूरा इस विमर्श पर केंद्रित है।

सतीश पेडणोकर

आर्थिक सर्वेक्षण बहुत आए हैं। हर साल ही आते हैं। पर पिछले कुछ सालों से आर्थिक सर्वेक्षण का महत्व सिर्फ यह नहीं है कि उसमें अर्थव्यवस्था की खाता-बही होती है। वह तो होती है, पर अब आर्थिक सर्वेक्षण सिर्फ खाता- बही से आगे जाकर कुछ दूर की सोच भी रखने लगा है। कुछ ऐसे मसलों पर बात रखने लगा है, जो मोटे तौर पर तो दिखते हैं कि अरे, इनका आर्थिक सर्वेक्षण से क्या ताल्लुक पर सच यह है कि हर मसले का आर्थिक मसले से ताल्लुक है। जो ऊपर से सामाजिक मसले लगते हैं, वो गहराई में आर्थिक मसले भी हैं। आर्थिक सर्वेक्षण ने पहली बार बेटा-बेटी से जुड़ी सामाजिक धारणाओं को अपने अंदाज से विश्लेषित किया है। इसका स्वागत किया जाना चाहिए। अधिकांश भारतीय पाखंडी हैं, कहने-करने में बहुत फर्क होता है। नारी समानता के नारे लगाते पढ़े-लिखे पत्रकार और प्रोफेसरों की संतानों का क्रम यह हो सकता है-दो बेटियां और सबसे छोटा बेटा। कई जगह तीन बेटियां मिल सकती हैं। बेटा चाहिए, बेटा जब तक ना मिलेगा, तब तक बेटियों की संख्या बढ़ाते जाएंगे-यह ऐसा नारा है, जो आम भारतीय लगाता नहीं है, इस पर अमल करता है। इस बात को इस आर्थिक सर्वेक्षण में बहुत व्यवस्थित तरीके से रखा गया है।

आर्थिक सर्वेक्षण के खंड एक चैप्टर सात पूरा का पूरा इस विमर्श पर केंद्रित है। सर्वेक्षण बताता है कि जब तक बेटे की प्राप्ति नहीं हो जाती, तब तक संतानों का क्रम चलता रहता है। पहला बेटा हो जाए तो भी दूसरी संतान की प्रतीक्षा रहती है। औसत भारतीय दो बच्चों की कामना करता है। आर्थिक सर्वेक्षण परोक्ष तौर पर यह भी संकेत कर रहा है कि भारतीय परिवार नियोजन का वह अभियान जिसमें कहा गया था-सिर्फ एक या दो बच्चे ही होते हैं अच्छे-कामयाब ना हुआ, एक पर अधिकांश ना रु के। बेटा बेटी एक समान का नारा भी नारा ही रहा। सर्वेक्षण बहुत महत्त्वपूर्ण आंकड़ा देता है कि बेटे की चाह में जो बेटियां आ गई हैं, उनकी तादाद दो करोड़ दस लाख है। यह कितनी बड़ी संख्या है, इस बात का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि ऑस्ट्रेलिया की कुल जनसंख्या इतनी है। फिनलैंड की कुल जनसंख्या की लगभग चार गुनी संख्या की लड़कियां भारत में हैं। इस आंकड़े पर भारत को शर्मसार होना चाहिए। लड़का लड़की भेदभाव के आर्थिक आयामैहैं। बहुत गहराई से बात करें तो पता लगता है कि तमाम अभिभावक बेटियों को खर्च मानते हैं, और बेटों को निवेश। निवेश कुछ प्रतिफल देकर जाता है। खर्च से ऐसी कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। बेटियां पराया धन होती हैं-इस कहावत के पीछे की मानसिकता साफ है कि बेटियों को पाल-पोस कर बड़ा कीजिए पर उनसे उम्मीद व्यर्थ हैं क्योंकि उन पर मिल्कियत परायों की होगी। आर्थिक सर्वेक्षण इन सारी बातों को बहुत दस्तावेजबद्ध तरीके से रखता है। बेटियों को सार्थक धन माना जाए, ऐसा दीर्घकालीन अभियान छेड़ा जाना जरूरी है। ''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' काफी नहीं है। सर्वेक्षण साफ करता है कि महिलाओं की हित रक्षा के लिए कई कदम उठाए गएहैं। पचास कर्मियों से ज्यादा वाले संस्थान में क्रेच जरूरी होगा। रोजगाररत महिलाओं के लिए 25 हफ्ते का मातृत्व अवकाश जरूरी किया गया है। पर यह सब काफी नहीं है। बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सार्थक भूमिका से देश की अर्थव्यवस्था में और बेहतरी आएगी, ऐसा माना जा सकता है। महिलाओं को अभी भी कारोबारी, कर्मठ आबादी में उचित स्थान मिलना बाकी है। इस बात को आर्थिक सर्वेक्षण ने बहुत अलग तरीके से रेखांकित किया है। पीएम नरेन्द्र मोदी लगातार अपने भाषणों में किसानों की आमदनी 2022 तक दोगुनी करने की बात करते हैं, पर सर्वेक्षण तो एक नये खतरे की बात करता है। बताता है कि जिस तरह के बदलाव मौसमों में आ रहे हैं, उनके चलते किसानों की आमदनी में कमी आ सकती है। सर्वेक्षण आगाह करता है कि मौसमी बदलावों के चलते निकट भविष्य में किसानों की आय में गिरावट आ सकती है। आगाह करता है कि अति वृष्टि, कम बारिश होने की आशंकाएं बढ़ रही हैं। सूखे दिनों की संख्या बढ़ रही है। तापमान ऊपर जाने की आशंकाएं बढ़ रही हैं। मतलब मौसम का मिजाज असामान्य हो रहा है। इसके चलते खेती से होने वाली कमाई में औसतन 15 से 18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज होने की आशंका है। जिन इलाकों में सिंचाई की व्यवस्था नहीं है, वहां गिरावट 20 से 25 प्रतिशत तक हो सकती है। पुरानी समस्याओं से ही निपटना संभव ना हो पा रहा है, मौसम के मिजाज के बदलावों ने नये मुद्दे पेश कर दिए। इन पर ध्यान देना जरूरी है। नीतिगत कदम उठाया जाना जरूरी है। इन मसलों के हल कुछेक महीनों के एक्शन से नहीं आएंगे। यह ऐसा मसला है, जो दीर्घकालीन एक्शन की मांग करता है। इसमें केंद्र और राज्य सरकारों को मिल कर कुछ करना होगा। मौसम के बदलावों को समझना और उनके अनुरूप खेती की रणनीति बनाना ज्ञानपरक और धनपरक कार्य है। यूं आमफ हम तौर पर यह बात कही-सुनी जाती थी, पर आर्थिक सर्वेक्षण ने व्यवस्थित तरीके से बताया कि सिर्फ पांच राज्य- महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और तेलंगाना देश से होने वाले निर्यात का सत्तर प्रतिशत निर्यात करते हैं। गौरतलब है कि ये राज्य ही भारत के संपन्न और खुशहाल राज्यों में गिने जाते हैं। इस आंकड़े से यह बात भी समझ में आनी चाहिए कि इन राज्यों का ताल्लुक समुद्र तट से भी है। तो क्या समुद्र तट होने से निर्यात की विकास की क्षमताएं खुद-ब-खुद आ जाती हैं, नहीं। ऐसा नहीं होता। ओडिशा भी समुद्र तटीय राज्य है, पर गरीब राज्यों में से एक है। निर्यात की क्षमताएं विकसित करनी होती हैं, ग्लोबल स्तर की क्वालिटी देकर। काम आसान नहीं है। यह काम करने वाली कंपनियों ने खुद को भी खुशहाल किया और उन राज्यों को भी खुशहाल किया है, जहां वो काम कर रही हैं। निर्यात और खुशहाली के रिश्ते को देखकर साफ होता है कि उत्तर भारतीय राज्यों और खास तौर पर उत्तर प्रदेश और बिहार में सोचा जाना चाहिए कि आखिर विश्व क्लास निर्यात कारोबार विकसित कैसे हों? यह काम आसान नहीं है, पर जरूरी काम है। सिर्फखेती के भरोसे चल रहे उत्तर भारतीय राज्यों के लिए तो सर्वेक्षण चेतावनी दे रहा है, उसे गंभीरता से सुने जाने की जरूरत है।

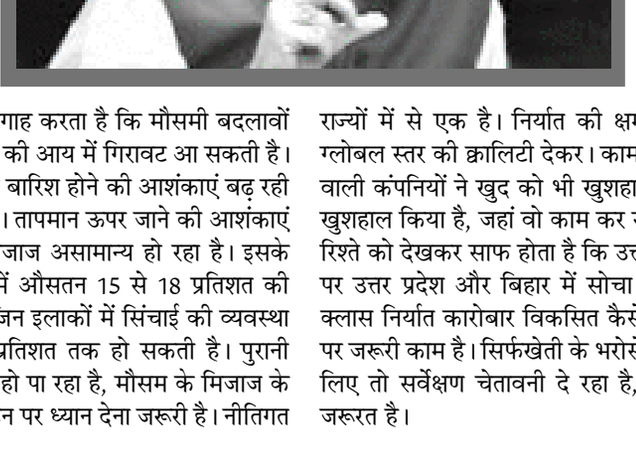

चलते चलते

जड़ी-बूटियों का गहरा ज्ञान

किसी को अनुमान नहीं था कि सरकार का ध्यान उनकी सेवाओं की ओर जा सकता है। ऐसे साधक जिन्हें गूगल जानता था न मीडिया! एक हैं केरल के गरीब आदिवासी क्षेत्र की चिकित्सक लक्ष्मी कुट्टी। छह सौ जड़ी-बूटियों का गहरा ज्ञान है। हर्बल औषधियां बनाती हैं। सर्पदंश, बिच्छूडंक और जहरीले कीड़ों का जहर उतारने में विशेषज्ञ हैं। मैंने लक्ष्मी कुट्टी की एक आरती लिखी है।

रे चम्पू! तेरे काऊ परिचित कूं पदमसिरी मिली?-अनेक को मिली, लेकिन इस बार पद्म-अलंकरण ऐसी अनेक विभूतियों को भी मिले, जिन्होंने अभावों में रहकर भी मानवता के कल्याण के लिए अनथक सेवा की। किसी को अनुमान नहीं था कि सरकार का ध्यान उनकी सेवाओं की ओर जा सकता है। ऐसे साधक जिन्हें गूगल जानता था न मीडिया! एक हैं केरल के गरीब आदिवासी क्षेत्र की चिकित्सक लक्ष्मी कुट्टी। छह सौ जड़ी-बूटियों का गहरा ज्ञान है। हर्बल औषधियां बनाती हैं। सर्पदंश, बिच्छूडंक और जहरीले कीड़ों का जहर उतारने में विशेषज्ञ हैं। मैंने लक्ष्मी कुट्टी की एक आरती लिखी है। -मैं घंटी बजाऊं का?-मेरे अंदर बजी, तभी तो आरती लिखी, आप सुन लो, ''जय लक्ष्मी कुट्टी, मैया जय लक्ष्मी कुट्टी! सर्पदंश के विष की, नागवंश के विष की, कर डाली छुट्टी। प्यारी जय लक्ष्मी कुट्टी! लक्ष्मी होकर खुद लक्ष्मी से, ना चाही माया। जड़ी-बूटियां घोट-घोट कर, पद्मासन पाया। धन वालों की लक्ष्मी जी से, सदा रखी कुट्टी। मैया जय लक्ष्मी कुट्टी!' -मैया ते कछू मांगौ नायं?-मांगा! सुनिए, ''सर्प एक आतंकवाद का खुलकर फु फ कारे। ''हिज'बुल होगा ध्वस्त अगर तू ''हर'बल से मारे। रोएं सारे विषधर फि णधर, हाय किस्मत फु ट्टी। मैया जय लक्ष्मी कुट्टी! राजनीति के वोट-पिपासू, खोट-दंश मारें। जन का ज़हर उतार भवानी, सब के सब हारें। कर उनका संहार बैठ जो, बिठा रहे गुट्टी। मैया जय लक्ष्मी कुट्टी! तेरी औषधि के बिन जग में, कोई गति नांहीं। पद्म श्री तू, पद्मासनि तू, पद्मावति नांहीं। लोन का अजगर निगल गया, सब अपटूडेटों को। महंगाई की डायन डंस गई, भूखे पेटों को। भर दे खाली सूराखों में, जीवन की पुट्टी। मैया जय लक्ष्मी कुट्टी!-आरती कौ महात्तम नायं लिख्यौ? -सुन लीजिए, ''लक्ष्मी कुट्टी की आरती जो, कोई सांप गावै। हटे कैंचुली, नंगा होकर, बिल में घुस जावै। बिल के अंदर बिलबिलाय और मारै लुटलुट्टी। मैया जय लक्ष्मी कुट्टी! लक्ष्मी कुट्टी की आरति कोई, नौजवान गावै। करे देश का नाम, श्रेष्ठ वह रोजगार पावै। देश के सारे नौनिहाल अब, पिएं तेरी घुट्टी। मैया जय लक्ष्मी कुट्टी!'

फोटोग्राफी...

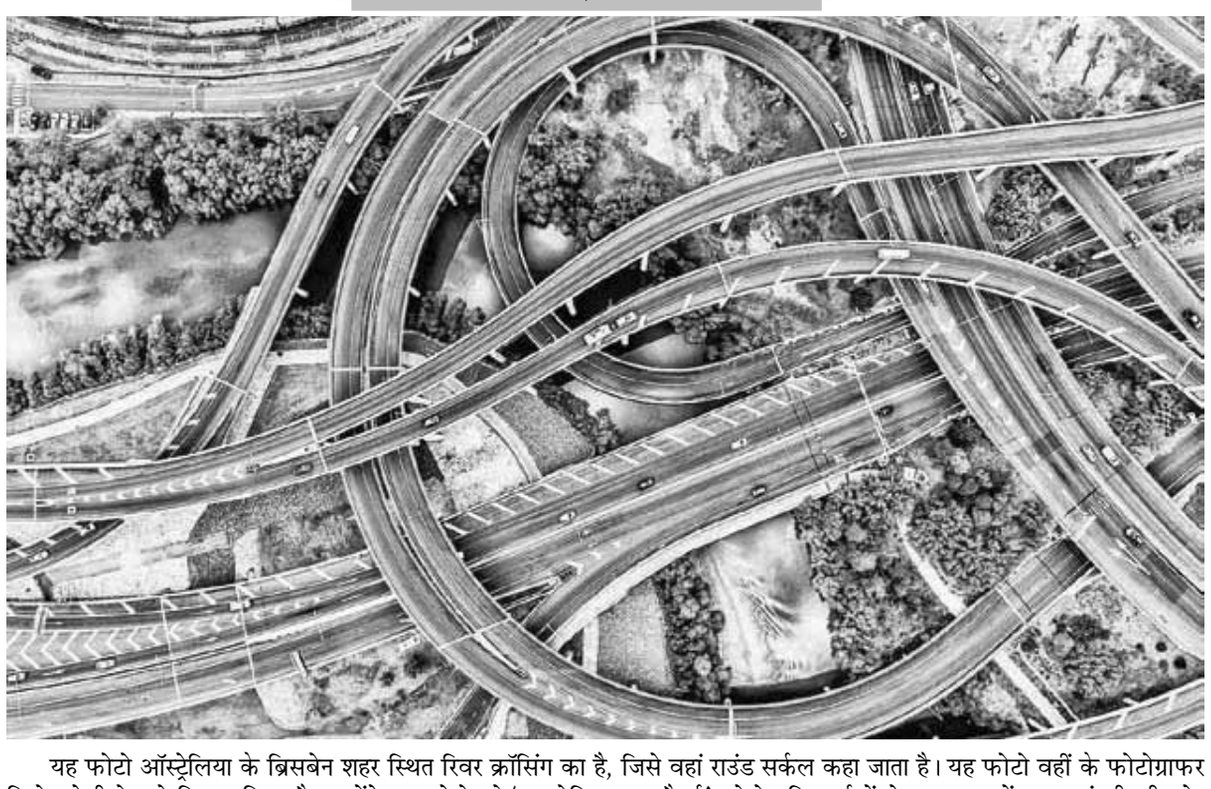

यह फोटो ऑस्ट्रेलिया के ब्रिसबेन शहर स्थित रिवर क्रॉसिंग का है, जिसे वहां राउंड सर्कल कहा जाता है। यह फोटो वहीं के फोटोग्राफर पियोत्र प्रेजीबोक ने क्लिक किया है। उन्होंने इस फोटो को 'कम्पोजिशन इन पैटर्न' फोटो प्रतिस्पर्धा में भेजा था। इसमें एपल कंपनी की ओर से पुरस्कार दिए जाने हैं। पियोत्र के इस फोटो को उसकी ज्यूरी ने पुरस्कार के लिए चुन लिया है। पियोत्र ने कहा कि इस फोटो की विशेषता इसके सर्किल रोड हैं, जो छह से अधिक दिशाओं में जाते हैं। यहां वाहन चलाने वाले को अगर पहले से जानकारीन हो तो उसका राह भटकना निशचित है। हालांकि कई जगहों पर संकेतक लगे हैं, फिर भी लोग गलत रास्तों पर निकल जाते हैं। यह सर्कल पेसिफकि मोटर-वे का हिस्सा है, जो 158 किलोमीटर लंबा है। आज इसे वहां के इंफ्रास्ट्रक्चर की श्रेष्ठ आर्किटेक्चरल डिज़ाइन कहा जाता है। viewbug.com

विशेष पैकेज

बार बारिश फिर रूठ गई थी और बुंदेलखंड, तेलंगाना, मराठवाड़ा, बस्तर जैसे इलाके जनवरी शुरू होते-होते पानी के लिए हांफने लगे हैं। अभी अगली बरसात बहुत-बहुत दूर है और कोई आस की किरण दिखाई नहीं देती। पिछले अनुभवों से यह तो स्पष्ट है कि भारी-भरकम बजट, राहत, नलकूप जैसे शब्द जल संकट का निदान नहीं है। यदि भारत का ग्रामीण जीवन और खेती बचाना है तो बारिश की हर बूंद को सहेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। बुंदेलखंड अभी तीन साल पहले ही कई करोड़ रुपये का विशेष पैकेज उदरस्थ कर चुका था, लेकिन जाड़े के दिनों में न तो नल-जल योजनाएं काम आ रही हैं और ना ही नलकूप। देश के बहुत बड़े हिस्से के लिए अल्प वष नई बात है और न ही वहां के समाज के लिए कम पानी में गुजारा करना। लेकिन बीते पांच दशक में आधुनिकता की आंधी में दफ्न हो गई पारंपरिक जल पण्रालियों के चलते आज वहां निराशा, पलायन व बेबसी का आलम है। मप्र के बुरहानपुर शहर की आबादी तीन लाख के आसपास है। निमाड़ का यह इलाका पानी की कमी के कारण कुख्यात है, लेकिन आज भी शहर में कोई अठारह लाख लीटर पानी प्रतिदिन एक ऐसी पण्राली के माध्यम से वितरित होता है, जिसका निर्माण सन 1615 में किया गया था। यह पण्राली जल संरक्षण और वितरण की दुनिया की अजूबी मिसाल है, जिसे ''भंडारा' कहा जाता है। सतपुड़ा पहाड़ियों से एक-एक बूंद जल जमा करना और उसे नहरों के माध्यम से लोगों के घरों तक पहुंचाने की यह व्यवस्था मुगल काल में फारसी जल-वैज्ञानिक तबकुतुल अर्ज ने तैयार की थी। समय की मार के चलते दो भंडारे पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। सनद रहे कि हमारे पूर्वजों ने देश-काल-परिस्थिति के अनुसार बारिश को समेट कर रखने की कई पण्रालियां विकसित व संरक्षित की थीं, जिसमें तालाब सबसे लोकप्रिय थे। घरों की जरूरत यानी पेयजल व खाना बनाने के लिए मीठे पानी का साधन कुआं कभी घर-आंगन में हुआ करता था। धनवान लोग सार्वजनिक कुएं बनवाते थे। हरियाणा से मालवा तक जोहड़ या खाल जमीन की नमी बरकरार रखने की प्राकृतिक संरचना हैं। ये आमतौर पर वष-जल के बहाव क्षेत्र में पानी रोकने के प्राकृतिक या कृत्रिम बांध के साथ छोटा तालाब की मानिंद होता है। तेज ढलान पर तेज गति से पानी के बह जाने वाले भूस्थल में पानी की धारा को काटकर रोकने की पद्धति ''पाट' पहाड़ी क्षेत्रों में बहुत लोकप्रिय रही है। एक नहर या नाली के जरिये किसी पक्के बांध तक पानी ले जाने की पण्राली ''नाड़ा या बंधा' अब देखने को नहीं मिल रही है। कुंड और बावड़िया महज जल संरक्षण के साधन नहीं, बल्कि हमारी स्थापत्य कला का बेहतरीन नमूना रहे हैं। आज जरूरत है कि ऐसी ही पारंपरिक पण्रालियों को पुनर्जीवित करने के लिए खास योजना बनाई जाए। कागजों पर आंकड़ों में देखें तो हर जगह पानी दिखता है लेकिन हकीकत में पानी की एक-एक बूंद के लिए लोग पानी-पानी हो रहे हैं। जहां पानी है, वह इस्तेमाल के काबिल नहीं है। आज जलनिधि को बढ़ता खतरा बढ़ती आबादी से कतई नहीं है। इस तरह पानी जुटाने के लिए जरूरी है कि स्थानीय स्तर पर सदियों से समाज की सेवा करने वाली पारंपरिक जल पण्रालियों को खेजा जाए, उन्हें सहेजने वाले, संचालित करने वाले समाज को सम्मान दिया जाए और एक बार फिर समाज को ''पानीदार' बनाया जाए। यहां ध्यान रखना जरूरी है कि आंचलिक क्षेत्र की पारंपरिक पण्रालियों को आज के इंजीनियर शायद स्वीकार ही नहीं पाएं सो जरूरी है कि इसके लिए समाज को ही आगे किया जाए। जल संचयन के स्थानीय व छोटे प्रयोगों से जल संरक्षण में स्थानीय लोगों की भूमिका व जागरूकता दोनों बढ़ेगी, साथ ही इससे भूजल का रिचार्ज तो होगा ही, जो खेत व कारखानों में पानी की आपूत्तर को सुनिष्चित करेगा।

'पद्मावत' ने भारत में आइमैक्स में नया रिकॉर्ड बनाया

आइमैक्स 3 डी में रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म 'पद्मावत' ने भारत के 12 आइमैक्स थियेटरों से शुरुआती सप्ताहांत में बॉक्स ऑफिस पर 4,61,000 डॉलर (29 करोड़ रुपये से अधिक) की कमाई की है। आईएमएक्स कॉरपोरेशन और वायकॉम 18 मोशन पिक्चर्स ने मंगलवार को एक बयान के माध्यम से फिल्म की कमाई की घोषणा की। आईएमएक्स एंटरटेनमेंट के सीईओ और आईएमएक्स कॉर्पोरेशन के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष ग्रैग फोस्टर ने कहा, भारत में आईएमएक्स बॉक्स-ऑफिस पर फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन स्थानीय दर्शकों के बीच भारत की सबसे बड़ी फिल्मों को हमारे अल्ट्रा-इमर्सिव प्रारूप में दिखाए जाने की बढ़ती मांग को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा, हम भारत में और हमारे वैश्विक नेटवर्क पर फिल्म की लगातार सफलता के लिए उत्साहित हैं। सूफी कवि मलिक मुहम्मद जायसी की कविता 'पद्मावत' पर आधारित फिल्म में दीपिका पादुकोण, शाहिद कपूर और रणवीर सिंह प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वायकॉम 18 मोशन पिक्चर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजीत अंधारे ने कहा, 'पद्मावत' के निर्माता के रूप में, हम अपने दर्शकों को अदद्भुत सिनेमाई अनुभव देना चाहते हैं।

'पद्मावत' ने पहले सप्ताहांत में 100 करोड़ कमाए

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'पद्मावत' ने विरोध के बहाने देश में जातीय और धार्मिक उन्माद फैलाने वालों को कड़ा जवाब देते हुए पहले सप्ताहांत में ही बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। वायकॉम 18 मोशन पिक्चर्स के अनुसार, 'पद्मावत' ने 28 जनवरी तक यानी सिर्फ तीन दिन में 114 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। यह फिल्म 25 जनवरी को देशभर के 4,000 सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह फिल्म गणतंत्र दिवस के एक दिन पहले रिलीज हुई थी।

रणवीर को 'पद्मावत' के लिए बिग बी से मिला पहला 'अवॉर्ड'

अभिनेता रणवीर सिंह को मेगास्टार अमिताभ बच्चन से एक प्रशंसा पत्र मिला है, जिसे वह 'अवॉर्ड' बता रहे हैं। रणवीर ने ट्विटर और इंस्टाग्राम पर पत्र की एक झलक साझा की। हालांकि, इसमें उन्होंने यह खुलासा नहीं किया कि बिग बी ने क्या लिखा है। पत्र की तस्वीर के साथ रणवीर ने लिखा, मुझे मेरा अवॉर्ड मिल गया। अमिताभ बच्चन। यह पत्र रणवीर को संजय लीला भंसाली की ऐतिहासिक फिल्म 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी की भूमिका निभाने के लिए मिला है। फिल्म में दीपिका पादुकोण, शाहिद कपूर, अदिति राव हैदरी और जिम सरभ जैसे कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 25 जनवरी को जारी हुई। श्री राजपूत करणी सेना के विरोध के मद्देनजर कुछ राज्यों में फिल्म रिलीज न होने के बावजूद फिल्म ने 28 जनवरी तक 114 करोड़ रुपये की कमाई कर ली। यह सूफी कवि मलिक मुहम्मद जायसी की रचना 'पद्मावत' पर आधारित है। रणवीर के लिए दोहरी खुशी की बात है क्योंकि इस फिल्म में निभाए किरदार के लिए मिली प्रशंसा के अलावा फिल्म ने बॉक्स-ऑफिस पर भी सफलता हासिल की है।

कढ़ाई करना सीख रही है अनुष्का

आभिनेत्री अनुष्का शर्मा इन दिनों कढ़ाई करना सीख रही है। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली की पत्नी और अभिनेत्री अनुष्का शर्मा अपनी आने वाली फिल्म की तैयारी में लग गयी हैं। जिसकी फोटो उन्होंने ट्विटर पर शेयर भी की है। फोटो में अनुष्का कढ़ाई करती हुई नजर आ रहीं हैं। हाथ में सुई-धागा लिए कढ़ाई करना सीख रहीं अनुष्का ने अपनी तस्वीर को शेयर करते हुए उसके कैप्शन में लिखा कि, कतरन से बुनी कहानी, पैबंद लगा के है सुनानी- सुई धागा। इसके पहले वरुण धवन ने भी एक पोस्टर और टीचर सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, हाथ-पैर का मेल गुरु, सुई-धागे का खेल शुरू। उल्लेखनीय है कि 'सुई धागा' में अनुष्का के साथ वरुण धवन भी लीड रोल में रहेंगे। यह फिल्म यशराज फ़िल्म्स के बैनर तले बन रही है। जिसे शरत कटारिया निर्देशित कर रहे हैं।

'सुई धागा' में अनुष्का के साथ वरुण धवन भी लीड रोल में रहेंगे।

आर्शी खान 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' के लिए उत्साहित

'बिग बॉस 11की पूर्व प्रतियोगी आर्शी खान इसके ब्रिटिश संस्करण 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' में भाग लेने के लिए उत्साहित हैं। आर्शी ने कहा, यह शो अधिक मजेदार और बेहतरीन अनुभव होगा।

मैं 'बिग बॉस' के बाद महसूस करती हूं कि अब मैं 'बिग ब्रदर' के लिए भी तैयार हूं। मैंने इस बात का जोड़-घटाव कर लिया है कि क्या करना है और क्या नहीं करना है। उन्होंने कहा, इस वजह से मुझे लगता है कि मैं 'बिग ब्रदर्स' में अजनबियों के साथ वक्त बिताकर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकती हूं। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के मेजबानी में चल रहा, 'बिग बॉस' रियलिटी शो के प्रतियोगियों पर आधारित है।

वजन घटाकर खुश हैं परिणीति

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा वजन घटाकर बेहद खुश है। परिणीति चोपड़ा ने कहा कि वह इस बात से खुश हैं कि दो साल पहले वजन घटाने के बाद से उन्हें अलग-अलग तरीके के किरदार अदा करने को मिल रहे हैं। फिट नहीं रहने से कलाकारों को सीमित किरदार मिलते हैं। परिणीति चोपड़ा ने वर्ष 2016 में फिल्मों से ब्रेक लेने के बाद अपना ज्यादा समय शारीरिक रूप से फिट होने में लगाया था। परिणीति का कहना है कि इससे उन्हें लाभ मिला क्योंकि उन्हें रोहित शेट्टी की फिल्म'गोलमाल अगेन'करने को मिली। उनका कहना है कि यह फिल्म उन्हें सिर्फ इसलिए मिली क्योंकि वह पहले से ज्यादा फिट लग रही थीं।

हेट स्टोरी 4 में रीक्रियेट होगा आशिक बनाया आपने

अभिनेता और गायक हिमेश रेशमिया का गाया सुपरहिट गीत आशिक बनाया आपने आने वाली फिल्म हेट स्टोरी 4 में रीक्रियेट किया जायेगा। वर्ष 2005 में प्रदर्शित आशिक बनाया आपने में हिमेश रेशमिया का गाना'आशिक बनाया आपने'काफी सुपरहिट साबित हुआ था। हिमेश को भी इस गाने ने लोकप्रियता की नयी ऊंचाई पर पहुंचाया था। अब एक बार फिर से यह गाना रीक्रियेट किया जा रहा है। गाने को उर्वशी रौतेला और करण वाही स्टारर'हेट स्टोरी 4'में डाला गया है। हिमेश रेशमिया के गाने को इस बार रीक्रिएट किया है तनिष्क बागची ने। बागची ने कहा, 'इस गाने का ऑरिजनल वर्जन सबसे अच्छे रोमांटिक गानों में से एक है और मुझे खुशी है कि मुझे इस गाने को नए तरीके से बनाने का मौका मिला है।

Readers Choice

सबसे लम्बे आदमी और सबसे छोटी महिला का फोटोशूट

अक्सर देखा जाता जब हम घूमने जाते है, वहां पर हमारे सामने कुछ अनोखी चीज सामने आता है जिसके बारे में सोचा नहीं हो। उसे देखकर अपनी आंखों पर यकीन नहीं होता है कि ऐसा नजारा देखने को मिल सकता है। एक ऐसा ही वाकया पिछले दिनों मिश्र में देखने को मिला। यहां घूमने आए लोग उस समय चकित रह गए जब उनके सामने दुनिया का सबसे लम्बी आदमी और सबसे छोटी महिला एकाएक आ गए। इन दिनों को एक साथ देखकर हर कोई हक्का बक्का रह गया। आपको बता दें कि तुर्की के रहने वाले सुल्तान कोसिन की लम्बाई 8 फीट 9 इंच है और भारत की ज्योति अमगे की लम्बाई 2 फीट 6 इंच है। सुल्तान कोसिन और ज्योति अमगे यहां एक विशेष फोटोशूट के लिए आए हुए थे। एक मैगजीन के अनुसार 36 वर्षीय कोसिन और 25 वर्षीय अमगे मिश्र के गिजा शहर में एक साथ नजर आए। बताया जा रहा है कि दोनों को मिश्र में पर्यटक को बढ़ावा देने के लिए विशेष तौर पर बुलाया गया था। इस विशेष फोटो शूट की खासीयत दोनों की एक साथ खड़े होकर खींचाई गई फोटो है। इस फोटो को अभी तक हजारों लोगों ने री-ट्वीट किया है। ये दोनों कई फोटो में एक साथ बैठकर मस्ती करते भी दिख रहे हैं। गौरतलब है कि कोसिन वर्ष 2009 में ही विश्व के सबसे लंबे पुरुष बने थे। वह अभी तक इतिहास के 10 ऐसे लोगों में शामिल हैं जिनकी लंबाई 8 फीट या इससे ज्यादा है। वहीं दूसरी तरफ अमगे की लंबाई किसी दो साल के बच्चे की इतनी है। वह इससे पहले बिग बॉश और अमेरिकन हॉरर स्टोरी जैसे टीवी शो में दिख चुकी हैं। तुर्की के रहने वाले सुल्तान कोसिन की लम्बाई 8 फीट 9 इंच है।

प्रीति जिंटा एक दमदार अभिनेत्री

जन्मदिन

इकतीस जनवरी 1975 को हिमाचल प्रदेश के शिमला में जन्मी प्रीति जिंटा ने अपने करियर के शुरुआती दौर में विज्ञापन फिल्मों में काम किया। एक दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में उनकी मुलाकात एक निर्देशक से हुई और उन्होंने उन्हें अपनी एड एजेंसी से एक विज्ञापन करने की सलाह दी। इसके बाद उन्होंने विज्ञापन की दुनिया में कई विज्ञापन किए, जिनमें लिरिल साबुन और पर्क चॉकलेट प्रमुख हैं। प्रीति अपने करियर की शुरुआत शेखर कपूर द्वारा निर्देशित'तारा रमपमपम' से करने वाली थीं। इसमें उनके साथ ऋतिक रोशन थे, लेकिन यह फिल्म किसी कारण से बन नहीं सकी। तब शेखर कपूर ने निर्देशक मणिरत्नम को शाहरुख खान और मनीषा कोइराला अभिनीत फिल्म 'दिल से' में उन्हें लेने का आग्रह किया। इसमें प्रीति सहायक अभिनेत्री के तौर पर नजर आई। वर्ष 1998 में प्रदर्शित मणिरत्नम की फिल्म 'दिल से' के लिये प्रीति जिंटा फिल्मफेयर की ओर से सर्वश्रेष्ठ डेब्यू अभिनेत्री का पुरस्कार दिया गया।

सोल्जर टिकट खिड़की पर सुपरहिट: वर्ष 1998 में प्रीति जिंटा की एक और फिल्म सोल्जर प्रदर्शित हुयी। इस फिल्म में प्रीति जिंटा के अपोजिट बॉबी देओल थे। संस्पेंस थ्रिलर पर आधारित इस फिल्म में प्रीति जिंटा और बॉबी देओल की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। सोल्जर टिकट खिड़की पर सुपरहिट साबित हुयी। वर्ष 2000 में प्रदर्शित फिल्म 'क्या कहना..' प्रीति जिंटा के करियर के लिये अहम फिल्म साबित हुयी। इस फिल्म के पहले लोगों की धारणा थी कि प्रीति जिंटा केवल चुलबुले किरदार निभा सकती है लेकिन इस फिल्म में प्रीति जिंटा ने संजीदा अभिनय कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस फिल्म के लिये प्रीति जिंटा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार के लिये नामांकित की गयी।

दमदार अभिनय से बनाया दिवाना

वर्ष 2004 में प्रदर्शित फिल्म वीर जारा प्रीति जिंटा के करियर की उल्लेखनीय फिल्मों में शुमार की जाती है। यश चोपड़ा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में प्रीति जिंटा और शाहरूख खान की जोड़ी एक बार फिर से पसंद की गयी। वर्ष 2005 में प्रदर्शित और लिव इन रिलेशनशिप पर आधारित फिल्म सलाम नमस्ते के जरिये प्रीति जिंटा ने एक बार फिर से अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को दीवाना बना दिया। वर्ष 2006 में प्रदर्शित फिल्म कभी अलविदा न कहना प्रीति जिंटा के करियर की अंतिम सुपरहिट फिल्म साबित हुयी। वर्ष 2009 में प्रदर्शित फिल्म मैं और मिसेज खन्ना में प्रीति जिंटा ने कैमियो किया। इसके बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री से किनारा कर लिया। वर्ष 2013 में प्रदर्शित अपनी निर्मित फिल्म इश्क इन पेरिस के जरिये प्रीति जिंटा ने कमबैक किया

जज की भूमिका निभाई

यह फिल्म सफल नही रही है। उन्होंने अपने टेलीविजन करियर की शुरुआत टीवी चैनल कलर्स पर प्रसारित होने वाले रियलिटी शो 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड-अब इंडिया तोड़ेगा' से की थी। इस शो में वह बतौर जज की भूमिका में नजर आई थीं। वह साल 2015 में नृत्य आधारित रियलिटी शो'नच बलिए' में भी निर्णायक मंडल की सदस्य के रूप में दिखाई दीं। प्रीति जिंटा ने वर्ष 2014 में प्रदर्शित फिल्म हैप्पी इनडिंग में कैमियो किया है। प्रीति जिंटा ने जीन गुडइनफ के साथ वर्ष 2016 में सात फेरे ले लिये। प्रीति इन दिनों इंडस्ट्री में सक्रिय नहीं है।

फेयर पुरस्कार से सम्मानित

वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म दिल चाहता है प्रीति जिंटा के करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में से एक है। इस फिल्म से फरहान अख्तर ने बॉलीवुड में बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत की थी। तीन दोस्तों पर आधारित इस फिल्म में प्रीति जिंटा के अपोजिट आमिर खान थे। इस फिल्म में प्रीति और आमिर खान की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। वर्ष 2003 प्रीति के करियर के लिये महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उनकी कल हो न हो और कोई मिल गया जैसी सुपरहिट फिल्में प्रदर्शित हुयीं। कल हो न हो के लिये प्रीति जिंटा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की गयीं, वहीं कोई मिल गया के लिये वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्मफेयर पुरस्कार से नामांकित की गयीं।

छोटा पर्दा

अपनी डांस टीचर से प्रेरित हैं सुहासी धामी

ज़ी टीवी का नया फिक्शन शो 'आप के आ जाने से' आम धारणाओं को तोड़ने वाले अपने अनूठे कॉन्सेप्ट के चलते दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है। प्यार की इस अनूठी कहानी में सुहासी धामी 42 साल की वेदिका माथुर का रोल निभा रही हैं, जिसे 24 साल के साहिल अगरवाल से प्यार हो जाता है। सुहासी बताती हैं, ''लंबे समय बाद अपने डांस टीचर से मिलकर बहुत अच्छा लगा। मैं उनसे पूरी तरह प्रेरित हूं। मैं उनकी और वेदिका की कहानी में समानता देखती हूं और मैंने उनसे इस किरदार को पर्दे पर निभाने के लिए सलाह भी ली। अक्सर ऐसी अनूठी कहानियां कभी समाज में खुलकर सामने नहीं आतीं लेकिन मुझे इस बात की खुशी है कि मेरी टीचर ने मुझसे अपनी कहानी बताई। एक एक्टर के रूप में इससे मुझे अपने रोल की तैयारी करने में बहुत मदद मिली।

फरनाज़ शेट्टी ने ली नेहा सक्सेना की जगह

'सिद्धिविनायक' शो बिल्कुल बॉलीवुड के अंदाज में दर्शकों का मनोरंजन करने के अपने वादे पर कायम है। इस शो की कहानी में ट्विस्ट हैं, उतार-चढ़ाव हैं, ड्रामा है, रोमांस है। ऐसा सुनने में आया है कि अभिनेत्री फरनाज़ शेट्टी को भी शो में लिया गया है! एकदम फिल्मी अंदाज में शो के मेकर्स ने नेहा सक्सेना की डोर फरनाज़ के हाथों में थमा दी है। और अब यह शो नितिन गोस्वामी के साथ आगे बढ़ेगा। कितनी लापरवाही है! लेकिन इसमें निश्चित रूप से कोई पुर्नजन्म नहीं है। वह जल्द ही 'सिद्धिविनायक' में एक नये अवतार में नजर आयेंगी। इस बारे में फरनाज़ से पूछने पर उन्होंने कहा, ''सिद्धिविनायक' का ऑफर जब मुझे मिला, उस समय मैं डेली सोप से ब्रेक लेने का मन बना रही थी।

एक्शन-पैक्ड फिल्म 'घायल वन्स अगेन'

फिल्म 'घायल वन्स अगेन' 1990 की सुपर हिट फिल्म घायल का सीक्वल है, जिसका निर्देशन खुद सनी देओल ने किया और इसका निर्माण उनके पिता धर्मेन्द्र ने किया है। अब यह फिल्म शुक्रवार 2 फरवरी को रात 8 बजे एक्शन मूवीज़ के लिए इंडिया के वन-स्टॉप डेस्टिनेशन ज़ी एक्शन के 'फाइट की नाइट' कार्यक्रम के अंतर्गत दिखाई जाएगी। इस एक्शन ड्रामा में अमीर एवं पूंजीपति लोगों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग पर प्रकाश डाला गया है, साथ ही भ्रष्टाचार से जूझते आज के युवाओं की कहानी है। फिल्म में सनी देओल के साथ ओम पुरी, सोहा अली खान, टिस्का चोपड़ा और चार युवा कलाकार शिवम पाटिल, रिषभ अरोड़ा, डायना खान और आंचल मुंजाल हैं।

अमर प्रेम कहानी कयामत से कयामत तक

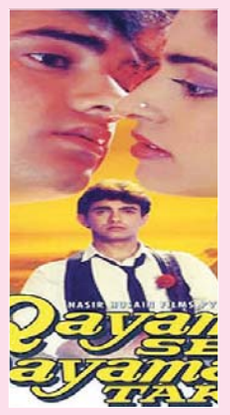

लीजेंडरी प्रोड्यूसर-डायरेक्टर नासिर हुसैन ने भारतीय दर्शकों को एक के बाद एक लगातार हिट फिल्में दी हैं। भारतीय फॉर्मूला फिल्मों के जनक कहे जाने वाले नासिर हुसैन ने न सिर्फ एक नया ट्रेंड स्थापित किया। 'यादों की बारात', 'तीसरी मंजिल', 'हम किसी से कम नहीं' और अपनी भव्य फिल्म 'कयामत से कयामत तक' जैसी फिल्मों के साथ इस प्रोड्यूसर-डायरेक्टर ने शानदार संगीत, प्रभावशाली ड्रामा साथ ही 'म्यूजिकल एंटरटेनर' का टाइटल भी अपने नाम किया। 'कयामत से कयामत तक' का जादू रविवार 4 फरवरी 2018 को दोपहर 12 बजे सिर्फ ज़ी क्लासिक पर। यह फिल्म 'रोमियो एंड जूलियट' का 80 के दशक का ग्रामीण भारतीय संस्करण है। इस फिल्म में दो दुश्मनों धनराज सिंह और रणधीर सिंह की कहानी है।

मुझे शिव से अद्भुत शक्ति मिलती है: रोहित

बिग मैजिक के भव्य पौराणिक शो 'शक्तिपीठ के भैरव' में भैरव की भूमिका निभा रहे प्रतिभाशाली अभिनेता रोहित बख्शी के अभिनय की तारीफकई लोगों द्वारा की जा रही हैं। भगवान शिव के बहुत बड़े भक्त रोहित इस बात से बेहद खुश हैं कि उन्हें उनके पसंदीदा भगवान शिव के ही रूप भैरव की भूमिका निभाने का मौका मिला है। सोने पर सुहागा यह है कि उन्हें शिव का अवतार धारण करने का मौका एक बार नहीं बल्कि दूसरी बार मिला है! रोहित ने कहा, ''लोगों के लिये यह मानना थोड़ा मुश्किल है लेकिन मुझे भगवान शिव से अद्भुत शक्ति मिलती है। मुझे उन पर अगाध श्रद्धा है और मुझे लगता है जब उनसे गहराई से जुड़ते हैं तो यह जरूर काम करता है। इसके अलावा, मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे भगवान शिव की भूमिका निभाने का मौका मिला।'

अनुष्का (अवीका गोर) अम्माजी की जगह लेगी

गतिशील, नुकीला और अपनी कथा में आकर्षक मोड़ों से भरा- कलर्स का लाडो- वीरपुर की मर्दानी अपने दर्शकों के लिए आने वाले एपिसोड्स में दिलचस्प, पूरे जोर से लगने वाला सामाजिक नाटक पेश करेगा। अपनी बहन जानवी (पलक जैन) की हत्या के लिए न्याय पाने में असफल होने के बाद, शो में होने वाली घटनाएं एक अप्रत्याशित मोड़ लेंगी अनुष्का (अवीका गोर) अम्माजी की जगह लेगी, जिससे दर्शक पूरी तरह से मंत्रमुग्ध हो जाएंगे। संपर्क करने पर, अविका ने विकास की पुष्टि की और कहा, अनुष्का का चरित्र बहुत ही धर्मी है और विश्वास करता है कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। लेकिन, जिस तरह से उसके परिवार के साथ युवराज और उसका परिवार गलत करता है, वह उसे विश्वास करने के लिए प्रेरित करता है कि उसे इस बुराई का अंत करने के लिए उसकी अंतरात्मा को मारना होगा। इसलिए वह अम्माजी के मार्ग पर चलने का निर्णय लेती है और वह वहीं से शुरू करती है जहाँ उसने छोड़ा था।

चुटकुले

घड़ा

संता: मेरी जिंदगी साली नरक होती जा रही है।

यमराज: हा हा हा हा

संता: कौन है भाई?

यमराज: तेरे पापों का घड़ा अब भर चुका है।

संता: तो मोटर बंद कर दे ना मेरे भाई।

इंटरव्यू

इंटरव्यू के समय संता से पहला सवाल

बॉस: संता तुम्हें एमएस ऑफिस पता है?

संता: सर पता तो नहीं है लेकिन अगर आप ऐड्रेस बताएंगे तो मैं ढूंढ़ लूंगा !!

बच्चा गुम हो गया

संता: मेरे पडोसी का बच्चा गुम हो गया।

बंता: तो तुमने क्या कहा?

संता: मैनें कहा गूगल पे सर्च करो। मिल जाये तो डाऊनलोड कर लेना।

चार टुकड़े करूं

संता ने पीज़ा का आर्डर दिया!

वेटर: सर इसके चार टुकड़े करूं या आठ?

संता: चार ही कर दो आठ खाए नहीं जायेंगे।

वेटर बेहोश

इंडस्ट्री

संता: इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में सबसे पहला किसका ईमेल आई डी था?

बंता: नहीं पता?

संता: शम्मी कपूर! क्योंकि वो ही सबसे पहले बोला याहूऊऊऊऊ ...

हिरासत के दौरान भी करणी सेना के लोगों ने किया सेवा का कार्य

हिरासत के दौरान लोगों को खाना व चाय नास्ता की सेवा देने वालों का किया गया सम्मान

संवाददाता, सूरत। पद्मावत फिल्म पर बैन लगाने के लिए जेल भरो आन्दोलन करने वाली करणी सेना के कर्मठ कार्यकर्ता महावीर सिंह जैतावत, बाली देवेन्द्रसिंह सोलंकी भगौडा राजूसिंह जैतावत, भैसाण नरेन्द्रसिंह सोलंकी, जितेन्द्र सिंह नागौर, गंगासिंह चौहान, पौते अंबासिंह चौहाण, जालमसिंह कानसिंह महेन्द्रसिंह, लक्ष्मणसिंह ने आईपीएस शहदेवसिंह राठौड और क्राइम ब्रांच के जयेन्द्रसिंह राठोड, विनयसिंह को मिठाई खिलाकर उनका स्वागत किया। इस दौरान करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने जेल परिसर तथा पुलिस परिसर में साफ सफाई कर स्वच्छ भारत की मिशाल कायम की। जय मां भवानी, जय-जय राजपूताना करणी सेना, जय मां भवानी संगठन ने खाना चाय नास्ता पानी की सेवा देने वाले भामाशाहों को सम्मानित किया। करणी सेना द्वारा सम्मानित करने के लिए भामाशा अर्जुन सिंहजी बासनी जैजावर प्रमोद भाई श्रीनाथ ट्रावेल्र्स, विजयसिंह परमार व विक्रमसिंह काबा, वागसिंह चौहाण पिन्टूसिंह गुडीया, नक्कलसिहं चौहाण ने सभी का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि भंसाली द्वारा निर्मित पद्मावती फिल्म (जिसे करणी सेना के विरोध में सेंसर बोर्ड ने पद्मावत नाम दिया) में इतिहास के साथ छेड़छाड़ कर सृजन किए जाने के विरोध में तमाम राजपूत लामबंद हो गए थे। सेना के कथनानुसार महारानी पद्मावती जो अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए हजारों क्षत्राणियों के साथ जौहरव्रत के लिए आत्मदाह कर लिया था, उनकी गरिमा के खिलाफ फिल्म का निर्माण किया गया है। इसलिए करणी सेना सहित अन्य राजपूताना संगठन फिल्म को रिलीज नहीं होने दे रहे थे. 25 जनवरी को फिल्म रिलीज करने के लिए सुप्रिम कोर्ट ने हरी झंडी दे दी थी। इसके बावजूद सेना व अन्य संगठन विरोध में सड़क पर उतर गए थे। इसी दौरान सेना ने जेल भरो आंदोलन शुरू कर दिया था, उसी समय तमाम कार्यकर्ताओं ने जेल में भी अपने कर्तव्य का पालन करते हुए साफसफाई व सेवाकार्य करके अपने शिष्ठता की अद्भुत मिसाल कायम की।

मिलेनियम मार्केट में मनाया यातायात सप्ताह

पुलिस के आला अधिकारियों ने जानी मार्केट में यातायात समस्या, समाधान का दिया आश्वासन

संवाददाता, सूरत। यातायात सप्ताह के तहत मिलेनियम कपड़ा मार्केट में पुलिस द्वारा व्यापारियों की सभा बुलाई गई। सभा के दौरान कपड़ा व्यापारियों ने कपड़ा मार्केट में कमेला दरवाजा, रघुकुल मार्केट, पशुपति मार्केट, हरिओम मार्केट, अभिषेक मार्केट, 451 कपड़ा मार्केट, सालासर गेट, बाम्बे मार्केट सहित अन्य मार्केट के सामने होने वाले यातायात की समस्याओं से पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया। व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया। सलाबतपुरा पीआई विनोद चौधरी ने सबसे पहले वेगमवाडी इलाके में होने वाले जाम से निजात दिलाने का आश्वासन दिया। बैठक में फोस्टा अध्यक्ष मनोज अग्रवाल, रंगनाथ शारडा, दीपचंद्र चौधरी, मिलेनियम मार्केट अध्यक्ष गुरूमुख कुंगवानी, संजय सरावगी, सरदार अत्तर सिंह, बजरंग भाई खंडेलवाल सहित तमाम कपड़ा मार्केट के प्रतिनिधि, व्यापार प्रगति मंच, एसजीटीटीए अध्यक्ष सावर प्रसाद बुधिया, सचिव सुनील जैन सहित कपड़ा व्यापारियों का अन्य संगठन के पदाधिकारी व पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

नकली दूध बनाने के षडयंत्र का पर्दाफाश, तीन गिरफ्तार

जामनगर (ईएमएस)। जिले के कालावड निकट लोकल क्राइम ब्रांच की टीम ने नकली दूध बनाने के षडयंत्र का पर्दाफाश करते हुए मालसामान के साथ तीन शख्सों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु की है। इस घटना से समग्र क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। आज व्यापारी अधिक मुनाफा कमाने की लालच में लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड करने में जरा भी हिचकिचाते नहीं हैं। ऐसा ही एक वाक्या प्रकाश में आया है नकली दूध बनाने का? समग्र जिले में टोक ओफ द टाउन बनी इस घटना में जामनगर जिले के कालावड तहसील के छतर गांव में कुछ शख्स नकली दूध बनाकर लोगों के स्वास्थ्य के खिलवाड करने की जानकारी मिलते ही एलीसीबी की टीम ने छापा मारा। पुलिस ने फूड इन्सपेक्टर को साथ में रखकर रिहायशी इलाके के एक मकान में सर्च ओपरेशन शुरु किया। पुलिस ने 360 लीटर दूध, 9 नग खाली कैन, 44,500 रुपए की किंमत का दूध बनाने का 182 कि.ग्राम पाउडर, 15 नग सोयाबीन तेल के डिब्बे पुलिस ने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने घटनास्थल से दो शख्सों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की प्राथमिक पूछताछ से पता चला है कि जयसुख नामक शख्स नकली दूध बनाकर जशापर गांव में रामकृपा डेयरी के संचालक रमेश फलदू को सप्लाय करता था। डेयरी संचालक दूध को ठंडा कर प्रोसेस कर टेन्कर के जरिए राजकोट भेजता था। बाद में डेयरी संचालक तुलसी दूध के नाम से पेकिंग कर बाजार में भेजते थे।

वराछा के रत्नकलाकार ने लगाई फांसी

संवाददाता, सूरत। वराछा के मातावाड़ी भगूनगर सोसाइटी के एक रत्नकलाकार ने किसी अज्ञात कारण से घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वराछा के भगूनगर सोसाइटी मातावाड़ी मकान नं. 184 के पहली मंजिल पर रहने वाली संगीताबेन जगदीशभाई अजोडिया के पति जगदीशभाई (27 वर्ष) ने किसी अज्ञात कारणों से अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिए। घटना की जानकारी होने पर वराछा पुलिस स्थल पर पहुंचकर लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज कर आगे की जांच कर रही है।

कपड़ा मार्केट में ग्राहकी बढ़ी, व्यापारियों के चेहरे पर दिखी चमक

संवाददाता, सूरत। कपड़ा मार्केट में ग्राहकी होने से कपड़ा व्यापारियों के चेहरे पर खुशी की चमक दिखाई दे रही है। यूपी, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात सहित देश के अन्य प्रदेशों में वैवाहिक व मांगलिक आयोजन शुरू होने से कपड़ा मार्केट बाहर से ग्राहक बुधवार को कपड़ा मार्केट में जमकर खरीदी की। गुजरात प्रदेश में ई-वे-बिल लागू नहीं होने से प्रदेश के खुदरा कपड़ा व्यापारी भी जमकर खरीदी करते नजर आए। कपड़ा मार्केट में पार्सल अधिक निकलने पर ट्रांसपोर्टर पार्सल बुकिंग कम कर रहे हैं। जिससे कपड़ा मार्केट के बेसमेंट में काफी तादाद में पार्सल पड़े हैं। अभिषेक मार्केट में कपड़ा कारोबारी महेन्द्र भाई पांडेय ने बताया कि यूपी में ई-वे-बिल लागू होने से वहां के माल ट्रांसपोर्टर कम ले रहे हैं। जबकि सबसे अधिक ग्राहकी यूपी में ही होती है। पूरे देश में ई-वे-बिल समाप्त हो जाने से कपड़ा कारोबार में इजाफा हो गया। क्योंकि ई-वे-बिल के चलते छोटे कपड़ा कारोबारी सूरत स्थित कपड़ा मार्केट में खरीदी नहीं करने आ रहे हैं। जिससे कपड़ा कारोबार पर असर पड़ रहा है।

दंपती का 2.82 लाख का माल लेकर रिक्शा चालक और साथी फरार

संवाददाता, सूरत। शहर के आडाजण की एक महिला की जेवर व अन्य कीमती सामान से भरी बैग को रिक्शा चालक और उसके साथियों ने नजर चूकते ही 2.81 लाख रुपए के सामान से भरी बैग लेकर फरार हो गए। वराछा पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अडाजण स्नेह संकुल वाड़ी के सामने शांतिविला के फ्लैट नं. बी/1/103 में रहने वाले दिलीप कालूभाई मकवाणा गत रोज अपनी पत्नी के साथ हीराबाग सर्कल के पास लग्जरी बस से उतरकर स्टेशन की ओर जाने के लिए रिक्शा से निकले थे। उसी दौरान रिक्शा में बैठे अन्य तीन युवक व चालक ने मिलीभगत करके दंपती की नजर चूकते ही नकदी व जेवर से भरी 2.81 लाख की बैग चोरी करके फरार हो गए। घटना के बारे में दिलीभाई ने रिक्शा चालक और उसके साथियों के खिलाफ वराछा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराया है। पुलिस रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच कर रही है।

बाइक खंभा से टकराई, डिंडोली के युवक की मौत

संवाददाता, सूरत। डिंडोली के दो मित्र बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। उसी दौरान बाइक तेज गति से होने के कारण रोड के बगल आने वाले खंभे में जाकर टकरा गई। जिससे हुई दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। जबकि अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली के महादेव नगर घर नं. 131 में रहने वाला पिन्टूसिंह दिनेश प्रतापसिंह राजपूत और घर नं. 55 में रहने वाला रणविजयसिंह जगदीशसिंह राजपूत दोनों मित्र मोटरसाइकिल से जा रहे थे। उसी दौरान उधना की ओर जाने वाले ओवर ब्रिज के ढलान पर उनकी बाइक तेज गति से होने के चलते बागल में आने वाले खंभे से जाकर टकरा गई।बाइक तेज गति से होने के कारण रोड के बगल आने वाले खंभे में जाकर टकरा गई। जिससे हुई दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। जबकि अन्य युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

इस दुर्घटना में बाइक पर पीछे बैठा रणविजय (23 वर्ष) को गंभीर चोट लगने से मौत हो गई। जबकि पिन्टू भी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बारे में डिडोली पुलिस दुर्घटना का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

लकड़ी का छत गिरने से महिला की मौत

संवाददाता, सूरत। शहर के चौटा बाजार के समीप नास्ता कर रहे दंपती के ऊमर लकड़ी का छत गिरने से पत्नी की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चौटा बजार सांई बाबा मंदिर के सामने स्थित पीन्स पैलेस 303 में रहने वाले अब्दुल रजाक अल्लारखा मेमण और उनकी पत्नी जोहराबानू अपने घर में बैठकर नास्ता कर रहे थे। उसी समय लकड़ी वाल रुम में बनाए गया लकड़ी का छत जर्जर होने से अचानक गिर गया। जिसके नीचे दबे हुए दंपती को फायर ब्रिगेड ने बाहर निकाला।

विहिप के कददावर नेता और सांसद प्रवीण तोगड़िया सहित 39 के खिलाफ केस वापस

अहमंदाबाद (ईएमएस)। पिछले दिनों अपने एकाउंटर की बात कह कर मीडिया में आए विहिप के वरिष्ठ नेता प्रवीण तोगड़िया के लिए अच्छी खबर आई है। बुधवार को अहमदाबाद की एक अदालत ने विहिप के वरिष्ठ नेता प्रवीण तोगड़िया और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं सहित 39 लोगों के विरुद्ध 1996 में दर्ज किए गए हत्या के प्रयास के मामले को वापस लेने की गुजरात सरकार की दरख्वास्त को मान ली। यह मामला तत्कालीन भाजपा मंत्री आत्माराम पटेल पर हमले से जुड़ा है जो पूर्व मुख्यमंत्री शंकरसिंह वाघेला के करीबी माने जाते थे। वर्ष 1998 में केशुभाई पटेल की अगुवाई वाली तत्कालीन भाजपा सरकार ने सीआरपीसी की धारा 321 के तहत यह दरख्वास्त लगायी थी। आरोपियों के विरुद्ध हत्या के प्रयास एवं अन्य आरोपों को लेकर प्राथमिकी दर्ज होने के दो साल बाद यह अर्जी लगायी गयी थी। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिन मजिस्ट्रेट जेएम बारोट ने बुधवार को यह अर्जी स्वीकार कर ली जिससे यह माना गया कि 22 साल पुराना यह मामला वापस ले लिया गया। अदालत ने इस मामले में पेश नहीं होने पर इसी माह के पहले हफ्ते में आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। उसके पश्चात तोगड़िया एवं अन्य अदालत में पेश हुए और वारंट रद्द हुआ। अदालत ने सरकार के आवेदन पर कोई आदेश नहीं जारी किया था, इसलिये वारंट जारी किये गये थे। बीस मई, 1996 में यहां सरदार पटेल स्टेडियम में भाजपा के एक कार्यक्रम में आत्माराम पटेल और कई अन्य भाजपा नेताओं पर केशुभाई पटेल के समर्थकों ने हमला किया था। वाघेला के करीबी समझ जाने वाले आत्माराम पटेल ने 1995 में गुजरात में आई पहली भाजपा सरकार के खिलाफ बगावत किया था। भाजपा ने 1995 में मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार समझे जाने वाले वाघेला के स्थान पर केशुभाई पटेल को मुख्यमंत्री बनाया था।

हार्दिक पटेल ने राज्यपाल से की मुलाकात

भाजपा सरकार मुझे जेल में डालने का षडयंत्र रच रही है: हार्दिक पटेल

गांधीनगर (ईएमएस)। गुजापास कन्वीनर हार्दिक पटेल ने आज राज्यपाल ओपी कोहली से मुलाकात की। हार्दिक ने मुलाकात के दौरान खुद को रही मुश्किलों व अपने सुझाव से विस्तार से राज्यपाल के समक्ष रखे। पास कन्वीनर हार्दिक ने आज गांधीनगर में राज्यपाल ओपी से कोहली से मुलाकात कर सरकार और चुनाव आयोग के प्रति नाराजगी जाहिर की। हार्दिक पटेल ने कहा कि आप संविधान द्वारा दी गई जिम्मेदारी और कर्तव्यों को हम सही मायनों में निभा रहे हैं। हम हम भी संविधान द्वारा दी गई शक्ति और कर्तव्यों को पूर्ण करने में जुटे हुए हैं। परंतु सरकार हमें ऐसा करने से रोक रह है। हम इस देश के नागरिक है और आप भी गुजरात के प्रथम नागरिक है। एक नागरिक के तौर पर हमारा कर्तव्य बन रहा है कि हम गलत होने पर आवाज उठाए, हम आवाज उठा रहे हैं परंतु सरकार हमारे रास्ते का पत्थर बन रही है। सरकार द्वारा हमारी रैली को मंजूरी नहीं दी जाती। पिछले चुनाव में चुनाव आयोग ने मुझे और मेरी टीम को लगातार परेशान किया। हम किसी भी पार्टी के समर्थन में नहीं थे इसके बावजूद पार्टी के उम्मीदवाद का खर्च हमारी जनसभा के खर्च में शामिल करने के लिए चुनाव कार्यरत था।

चुनाव अधिकारी हमारी जनसभाओं पर निगरानी रख कर हमे परेशान किया। चुनाव आयोग भाजपा सरकार के इशारों पर कार्य कर रहा था। स्थानीय पुलिस व चुनाव अधिकारी हमारी जनसभाओं को मंजूरी को रद्द करने के प्रयास में लगी हुई थी। सरकार ने लोकशाही का उल्लंघन किया। हमारी जहां भी सभा थी वहां धारा 114 लागू कर दी। हमारे जनआंदोलन में भी सरकार ने धारा 114 लागू कर नागरिको को एकसाथ इकठ्ठा होने व उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया। हमारी मांग है कि यह धारा रद्द होनी चाहिए। हमने जहां भी सभा की वहां नियमों को पालन किया। इसके बावजूद सरकार ने हम पर केस किए। चुनाव आयोग ने केस नहीं किया पर भाजपा ने सत्ता में आने के साथ ही हम पर जुल्म ढाना शुरु कर झूठे केस दर्ज कर दिए।

हररोज एक नया केस कर हमें और हमारी पास संस्था को परेशान किया जा रहा है। सरकार यह इसलिए कर रही है कि हमारी टीम सच बोलना बंद कर दे। हमें जेल में डालने का सरकार षडयंत्र रच रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा सरकार अपनी मनमर्जी कर सके इसिलए अभी से तैयारियां शुरु कर दी है। हार्दिक ने राज्यपाल से कहा कि आपने ही सरकार से शपथ दिलाइ है कि सरकार किसी पर बी जुल्म नहीं परंतु मुख्यमंत्री अपने पद व शपथ के मुताबिक बर्ताव नहीं कर रहे और संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं।

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी

आरोपी ने करीब 25 लोगों से रुपए वसूल करके धोखा दिया

संवाददाता, सूरत। शहर के गोपीपुरा के एक व्यक्ति द्वारा कई लोगों को नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपए वसूल करके धोखाधड़ी किए जाने का मामला उमरा पुलिस में दर्ज हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उमरा गांव तलाव फलिया के रहने वाले धिरेन जयंतीभाई उमरीगर (29 वर्ष) ने रुगोपीपुरा के हनुमान चार रास्ता 301 चंदन आपार्टमेंट में रहने वाले अमित किशोरभाई मिस्त्री के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराया है कि आरोपी ने सूरत पालिका में नौकरी दिलवाने के बहाने से 2 लाख 40 हजार रुपए तथा इसी तरह ही अन्य 25 लोगों से लाखों रुपए ऐंठकर लोगों के साथ विश्वासघात किया है। आरोपी रुपए लेने के बाद नौकरी तो दिलाए नहीं और रुपए भी वापस नहीं कर रहे हैं। घटना के संदर्भ में उमरा पुलिस धोखाधड़ी का मामला दर्ज करके जांच कर रही है।

जहर पीने से विवाहिता की मौत

संवाददाता, सूरत। डिंडोली क्षेत्र में रहने वाली एक विवाहिता ने विषपान कर लिया। जिसको इलाज के लिए युनिक अस्पताल में ले जाया गया। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के संदर्भ में प्राप्त जानकारी के अनुसार डिंडोली को ओमनगर चेहर बंगला नं. 786 में रहने वाले रश्मिभाई की पत्नी पायलबेन (22वर्ष) ने गत 27 तारीख को किसी कारणों से जहर पी ली थीं। जिनको इलाज के लिए उनके पति रश्मिनभाई युनिक अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां पर इलाज के दौरान पायलबेन की मौत हो गई। पायल ने किन कारणों से विषपान कर लिया, इस बारे में डिंडोली पुलिस जांच कर रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com